ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 अंक-19 जनवरी-I-2019 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 10.00

विश्व शांति दिवस - 18 जनवरी

रूहानियत से राहगीरों को दिखाई राहत भरी राह

जिस प्रकार पगडंडियों पर चलने वाला इंसान बिना किसी सहारे के लड़खड़ा जाता है, सहारा उसे चाहिए, चाहे वह हल्की रोशनी का ही हो! जीवन रूपी पगडंडी पर, सभी रूहों को सहारा दे, थामने वाला आफ़ताब, जो युवकों के लिए नवजीवन है, छोटे बच्चों के लिए रात को जगमगाते तारों के समान और बुज़ुर्गों के लिए सूरज की लालिमा लिए, सभी को एक जैसी रोशनी दिखाई। कहा, बच्चों! तुम इधर-उधर ना देख चरित्र की सीधी राह चलो, सभी नतमस्तक होंगे, उन्नति होगी, जिसमें शांति व सौहार्द होगा। ऐसे रूहानी नूर को इस अलौकिक जीवन के लिए कैसे धन्यवाद करें...!

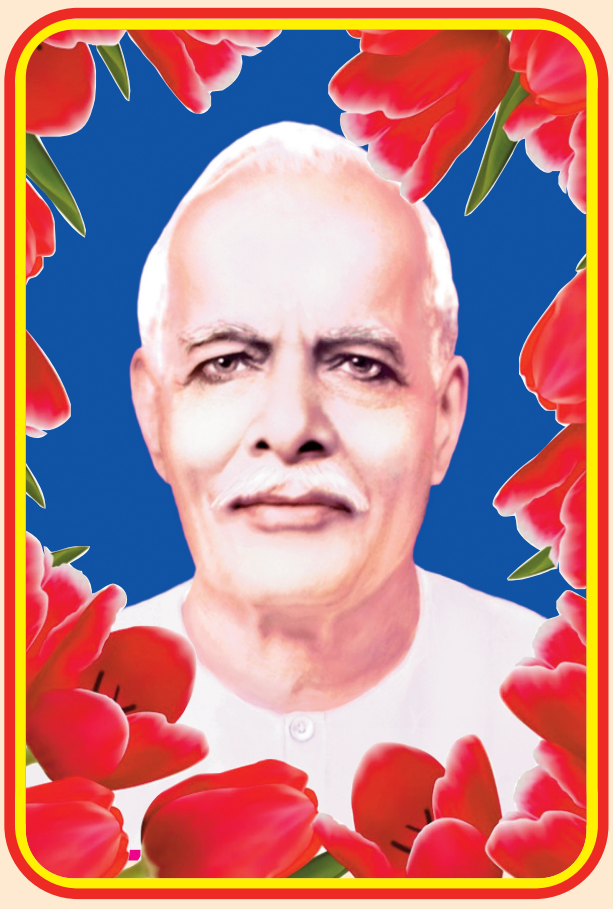

चार सुखों के आधार पर जीवन को सुखी जीवन मानने वाले सभी जनमानस की स्थिति आज शायद किसी से छुपी नहीं है। सभी तन, मन, धन व जन के बावजूद भी भय के वातावरण में हैं। ऐसे में हज़ारों, लाखों आत्माओं को ज्ञान का दिव्य नेत्र प्रदान कर उन्हें सच्ची शांति का मार्ग बता, भय के वातावरण से बाहर निकाल, नई दुनिया के निमित्त बनाया और अभी भी बना रहे हैं।

शिव की प्रदत्त शक्तियों द्वारा शक्तियों को पैदा कर उन्हें शांतिदूत बना, भिन्न-भन्न स्थानों के वातावरण को इतना अच्छा बना दिया कि हर कोई उन्हें अपना पिता कहता है। हर तरह से सुरक्षित, आज कोई यदि बहुत बड़े पद पर है तो उसे इतने बड़े सुरक्षा चक्र की आवश्यकता है, लेकिन यहां की बड़ी दादी, दीदी सभी बिना भय के कहीं भी आ जा सकते, कारण, सच्चा ज्ञान हमारा सुरक्षा कवच है, जो अभेद्य है। डर इसीलिए तो रहे हैं, कि सच्चाई को नहीं समझ रहे!

सृष्टि के निर्माण का आधार सूक्ष्म संकल्प है। और ब्रह्मा बाबा ने हमें सूक्ष्म संकल्प की गति को बहुत गहराई से समझाया और कहा कि सृष्टि के निर्माण में हमारे सूक्ष्म से सूक्ष्म संकल्प बहुत अधिक कार्य करते हैं। अब आपको चिंतन करना चाहिए कि हर दिन जब हम सोने जाते हैं तो किस चिंता में सोते, और वही चिंता, वही डर, वही फिकर लेकर उठते। फिर से उसी सृष्टि को रिपीट करते हैं। इससे आप देखिए कितनी बुरी सृष्टि हमारी बन गई है! इसे ठीक करने का तरीका

- शेष पेज 7 पर...

बीमारियों का मुख्य कारण नेगेटिव वायब्रेशन्स

माननीय उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल सम्बोधित करते हुए। साथ हैं ब्र.कु. शिवानी, डॉ. बनारसी, पूर्व सांसद जीवा पटेल व अन्य।

- **खुशहाली के लिए बदलें अपने सोचने का तरीका**
- **मेडिटेशन को जीवन का हिस्सा बनायें**
- **धन कमाने के साथ दुआयें भी कमायें**
- **मोबाइल का अधिक उपयोग करता शक्तियों को नष्ट**

महेसाना-गुज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अवसर पार्टी प्लॉट में आयोजित कार्यक्रम में 'इनर पीस' विषय पर सम्बोधित करते हुए जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा एवं विश्व विख्यात मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि हम सभी धन के साथ-साथ लोगों की दुआयें कमायें, तभी हम आंतरिक शान्ति व शक्ति प्राप्त कर पायेंगे। हमारे जीवन में वायब्रेशन्स का बहुत महत्व है। आज बढ़ती हुई बीमारियों का मुख्य कारण हमारे नेगेटिव वायब्रेशन्स हैं। जीवन को खुशहाल बनाने के लिए हमारी सोच को हमारे लिए भी और औरों के लिए भी महान बनाना होगा। आज का इंसान 'स्क्रीन' का आदी हो चुका है। इतना छोटा सा मोबाइल स्क्रीन हमारी आंतरिक शक्तियों को नष्ट करता है। वहीं स्क्रीन पर ज़्यादा समय बिताने वाला व्यक्ति एक दूसरे से दूर चला जा रहा है। जो हमारे जीवन में तनाव का कारण बन गया है। हम अपने अहंकार को त्याग कर आपसी सम्बंधों को बनाये रखें और उसमें पहले प्रारंभ स्वयं हो। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करने के पश्चात् उपमुख्यमंत्री माननीय नितिन भाई पटेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करके समाज को सुधारने का प्रशंसनीय कार्य कर रही है। उन्होंने आशा जताई कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वक्ता ब्र.कु. शिवानी के प्रवचनों से ज़रूर सभी अपने जीवन में लाभ प्राप्त करेंगे।

उपक्षेत्रीय संचालिका एवं ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा ब्र.कु. सरला ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि विज्ञान के साथ साथ आध्यात्मिकता की भी आवश्यकता है जो कि हमारी आंतरिक शक्तियों को जागृत करता है।

पूर्व सांसद जीवा भाई पटेल, डॉ. बनारसीलाल शाह,माउण्ट आबू एवं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कुसुम ने भी अपनी अपनी शुभकामनायें व्यक्त कीं।

छः हज़ार से अधिक लोगों के बीच मंचस्थ मेहमानों एवं शहर के प्रतिष्ठित एक सौ आठ मेहमानों द्वारा एक सौ आठ दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। साथ ही साथ सभी श्रोताओं ने भी अपने अपने मोबाइल की लाइट जलाकर दीप प्रज्वलन में साथ दिया और वातावरण को आल्हादित कर दिया। इस अवसर पर ड्रोन द्वारा पुष्प वर्षा कर सभी का अभिवादन किया गया। आरंभ में दो कुमारियों द्वारा सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. धारा ने किया।

न्याय प्रणाली में योग को प्रमुखता देनी ही होगी

न्यायविदों के लिए त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

दीप प्रज्वलित करते ब्र.कु.लता, जस्टिस वी. ईश्वरैय्या, वरिष्ठ वकील आर. वेंकटरमानी, ब्र.कु.बृजमोहन, ब्र.कु.पुष्पा, ब्र.कु.सपना व अन्य।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ बेहतर विश्व के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। संस्था लव और लॉ का बहुत सुन्दर सन्तुलन रखना सिखाती है। उक्त विचार उच्च न्यायालय,आन्ध्र प्रदेश के पूर्व चीफ जस्टिस वी. ईश्वरैय्या ने ओ.आर.सी. में न्यायविदों के लिए आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यक्त किये। खुशनुमा जीवन के लिए स्वयं की पहचान विषय पर उन्होंने कहा कि खुशी का असली स्रोत वास्तव में हमारे अंदर निहित है। भौतिकता की चकाचौंध में हम अपनी मौलिकता को भूल चुके हैं। ब्रह्माकुमारी संस्था हमें उन मूल्यों की पहचान करा रही है। स्थाई सुख शांति प्राप्त करने के लिए आध्यात्मिक और नैतिक मूल्य जरूरी हैं।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील आर. वेंकटरमानी ने अपने संबोधन में कहा कि कानून बनाने से समस्यायें हल नहीं होती। कानून ऐसा होना चाहिए जो हमें जोड़े व समाज में खुशहाली लाए। ये तभी संभव है जब समाज में जागरुकता हो। आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही जीवन को व्यवस्थित करने का मूल आधार है।

ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने कहा कि स्वयं की पहचान के लिए योग ही मुख्य आधार है। योग हमें स्वयं से जोड़ता है। योग चित्त की वृत्तियों को नियंत्रित करता है। साथ ही वो हमें ईश्वर के समीप ले जाता है। इसलिए यदि हम न्याय प्रणाली को सुदृढ़ बनाना चाहते हैं तो योग को प्रमुखता देनी होगी। ब्र.कु. पुष्पा ने कहा कि योग मन को सुमन बनाता है। योग के माध्यम से व्यक्ति सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत रहता है, जिससे आपराधिक गतिविधियों से वो दूर रहता है।

संस्था के अतिरिक्त सचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि खुशी हमें तब होती है जब हम किसी को देते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति दैवी संस्कृति रही है। प्रकृति की कोई भी चीज़ अपने लिए नहीं बनी है। हरेक का महत्व दूसरों को देने में है। इसी प्रकार मानव जीवन की सार्थकता दूसरों के काम आने में है। लेकिन वर्तमान समय इसका उल्टा हो रहा है, मानव देवता के बदले लेवता बन गया। यही मानव जीवन के दुःखों का असली कारण है।

कार्यक्रम मे बैंगलूरु उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ए.एस. पच्चापुरे, ब्र.कु. विद्या, ब्र.कु. अमिता, ब्र.कु. राजेन्द्र, अमर सिंह, रबिन्द्र सिंह एवं वरिष्ठ वकील बाबूलाल ने भी अपने विचार रखे। ब्र.कु. बालमुकुन्द ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. लता ने किया। कार्यक्रम में अनेक न्यायाधीश, वकील एवं न्यायविद उपस्थित रहे।